INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION,

BILASPUR (C.G.)

Affiliated to

ATAL BIHARI VAJPAYEE UNIVERSITY, BILASPUR(C.G.)

M.Ed.- IIIrd SEMESTER

PAPER-III

Unit– III

School Budget and Expenditure

School Budget and Accounting Procedure

Unit– IV

Finance Management– Importance, Function and Role

,e0,M0 lsesLVj&r`rh;

iz'ui=& r`rh;

Financial Management in Education

Max.Marks-100

Internal - 20

External - 80

उद्देश्य (Objectives)-

इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के बाद M.Ed. विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे-

- शिक्षा में किया जाने वाला व्यय, मानव संसाधन के निर्माण में किया जाने वाला निवेश है। शिक्षा में व्यय से होने वाले लाभ की गणना शिक्षा पूरी होने के बाद कर सकेंगे।
- विद्यालय को संगठन में प्राचार्य की भूमिका के प्रभाव को जान सकेंगे।
- एक विद्यालय संगठन में किस प्रकार मतभेद होता है, कैसे तनाव उत्पन्न हो जाता है, उसे कैसे सुलझाया जा सकता है, यह जान सकेंगे।
- शैक्षिक वित्त की नीतियों का समीक्षात्मक अध्ययन कर muds प्रभावी उपयोग को जान सकेंगे।
- शैक्षिक स्थानीय जिला, राज्य के संस्थानों के वित्तीय कार्य प्रणाली को जान सकेंगे।

Unit-III

School Budget and Expenditure
School Budget and Accounting procedure

Budget- आय व्यय पत्रक

भूतकाल में जो व्यय किया गया एवं वर्तमान में भविष्य के लिए जो योजना बनाई जाती है वही पत्रक बजट है।

Process of Budget- **बजट पत्र बनाने की प्रक्रिया**

संस्था का बजट बनाने के पूर्व –

- शैक्षिक आय का अनुमान लगा लेना चाहिए-
- शैक्षिक व्यय प्राथमिकताओं के आधार पर निर्धारण करना –

बजट बनाने के लिए आवश्यक पद-

1- शैक्षिक अथवा विद्यालय की सूची तैयार करना –

- सत्र के आरंभ में विद्यालय के सदस्यों के साथ आवश्यकताओं की सूची तैयार करना ।
- प्राथमिकता क्रम निर्धारित करना।
- आकस्मिक व्यय के लिए पृथक से **jkf'k Lohd`r** करना ।

2- आकस्मिक की व्यवस्था।

3-आय के आधार पर व्यय को निर्धारित करना ।

4- बजट को अंतिम स्वरूप देना संतुलित करना ।

5- प्रशासन के बजट स्वीकार करवाना] सक्षम अधिकारी से ।

6- विद्यालय में बजट का क्रियान्वयन करने में सजग रहना ।

7- बजट की सफलता का आकलन करना ।

तैयार किए हुए बजट से पूरेS वर्ष का व्यवस्थित संपन्न होता है कि नहीं यह आकलन करना चाहिए।

Financial Distribution of at different levels of Education – Upper Primary and Secondary level

Upper Primary level (उच्च प्राथमिक स्तर)- के विद्यालयों को राज्य शासन से वित्त प्राप्त होता है । यह सरकार की अनिवार्य शिक्षा योजना के तहत शिक्षा व्यवस्था है । सर्व शिक्षा अभियान के तहत केंद्र से प्राप्त iSls ls राज्य सरकार सभी प्रकार के संसाधनों की व्यवस्था करती है ।

Secondary level (माध्यमिक शिक्षा)- का भी **/;ku** RMSA योजना के तहत केंद्र सरकार राज्य सरकार के माध्यम से संसाधनों की व्यवस्था करती है ।

इस स्तर में स्थानीय संस्थाएं अपना भी "kSf{kd संस्थान संचालित करती है।

Meaning Of Educational Expenditure (शैक्षिक व्यय का अर्थ)- शैक्षिक संस्थाएं अपनी संस्था की व्यवस्था के लिए विभिन्न मदों पर व्यय करती है, वह शैक्षिक व्यय कहलाती है। यह अवधि एवं मदों के आधार पर विभिन्न प्रकार का होता है।

1- आवर्तक व्यय(Recurring Expenditure)- शिक्षक कर्मचारियों का वेतन, भवन मरम्मत, एक निश्चित अवधि के पश्चात होने वाले व्यय।

2- अनावर्तक् व्यय (Non-Recurring Expenditure)- यह व्यय एक बार होता है जब तक वस्तु नष्ट नहीं होती ।

जैसे भवन निर्माण, स्थाई उपकरण।

3- प्रत्यक्ष व्यय (Direct Expenditure)- विद्यालय संचालन के लिए प्रत्यक्ष रूप से fd;k जाता है ।

जैसे वेतन, उपकरण, फर्नीचर, आदि का व्यय।

4- अप्रत्यक्ष व्यय (Indirect Expenditure)- एक नहीं अपितु सभी संस्थाओं के लिए mPp अथॉरिटी का व्यय ।

उदाहरण- छात्रवृत्ति का व्यय, उपकरण सप्लाई ।

5- विकास व्यय (Development Expenditure) - किसी स्थान को उन्नत करने के लिए।

उदाहरण- 1. नए कक्षा खोलने के लिए। 2. नए उपकरण के लिए।

6- कमिटेड व्यय पूर्वबद्घ व्यय (Commited Expenditure)- ,d iapवर्षीय योजना समाप्त होने पर उसी कार्य के लिए दूसरी योजना में भी उसी मद पर व्यय का प्रावधान होना।

7- आकस्मिक व्यय (Contingent Expenditure) - अचानक किसी मद पर व्यय होने की स्थिति उत्पन्न होने पर व्यय का प्रावधान होना ।

उदाहरण - बिजली,पानी का खर्च।

8- स्वीकार्य व्यय (Admissible Expenditure)- जिसका प्रावधान प्रत्येक सरकार रखती है ।

उदाहरण - वेतन भत्ते, onhZ आदि ।

9- विविध व्यय (Miscellaneous Expenditure)- जो व्यय उपर्युक्त मद में नहीं आते जैसे- स्काउट , NCC, प्राथमिक चिकित्सा,मध्यान भोजन ।